

प्रेषक,

ओम प्रकाश
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्रशिक्षण, विभाग,
उत्तराखण्ड, हल्द्वानी।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग-2

देहरादून, दिनांक : 06 जुलाई, 2016

विषय: वित्तीय वर्ष 2016-17 में एस0सी0एस0पी0 योजनान्तर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चोरगलिया के भवन निर्माण के फेज-1 में निर्माण कार्य की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक कृपया अपने पत्र संख्या 1707/डीटीईयू/प्रशि0/एस0सी0पी0/प्रस्ताव/2016 दिनांक 18.02.2016 एवं उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लिमिटेड के पत्र दिनांक 02.06.2016 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें जिसके द्वारा एस0सी0एस0पी0 योजनान्तर्गत राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चोरगलिया के भवन निर्माण हेतु आंगणन ₹244.05 लाख की धनराशि अवमुक्त किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2- इस संबंध में मुझे कहने का निदेश हुआ है कि उत्तराखण्ड राज्य अवस्थापना विकास निगम लि0 द्वारा उपरोक्त गठित आंगणन का टी0एस0सी0 परीक्षणों परान्त ₹231.22 लाख [₹220.02 लाख सिविल कार्य + ₹11.20 लाख (उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अन्तर्गत कार्य)] औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि की एस0सी0पी0 योजना के मानक मद संख्या "24-वृहद निर्माण" में लेखानुदान के माध्यम से प्राविधानित की गयी धनराशि ₹100.00 लाख में से समाज कल्याण नियोजन प्रकोष्ठ द्वारा प्रदत्त सहमति के क्रम में ₹231.22 लाख का 19% ₹43.93 लाख (रुपये तैंतालिस लाख तिरानबे हजार मात्र) को प्रथम किस्त के रूप में तथा अवशेष धनराशि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति नियोजन प्रकोष्ठ के परामर्श के अनुसार 81 प्रतिशत धनराशि का राज्य सेक्टर में वित्तीय वर्ष में प्राविधानित कराते हुए अवमुक्त करने की कार्यवाही की जाएगी। प्रथमतः 19 प्रतिशत के आनुपातिक धनराशि ₹43.93 लाख को प्रथम किस्त के रूप में आहरित कर व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति श्री राज्यपाल महोदय निम्न शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- (1) कार्य करने से पूर्व मदवार दर विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों के आधार पर तथा जो दरें शेड्यूल ऑफ रेट्स में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए किया जायेगा।
- (2) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आंगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम अधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी आवश्यक होगी तथा कार्य में उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
- (3) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाए जितनी राशि स्वीकृत की गयी है। स्वीकृति धनराशि से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (4) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्ये-नजर रखते हुए एवं लो0नि0वि0 द्वारा प्रचलित दरो/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करने से पूर्व पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

- (5) कार्य करने से पूर्व उच्चाधिकारियों एवं भूगर्भवेत्ता (कार्य की आवश्यकतानुसार) से कार्य स्थल का भली-भांति निरीक्षण अवश्य करा लिया जाए तथा निरीक्षण के पश्चात् एन0सी0वी0टी0 के मानकों के अनुसार कार्य कराया जाए।
 - (6) वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-475/XXVII(7)/2008, दिनांक 15.12.2008 के अनुसार निर्धारित प्रारूप पर कार्यदायी संस्था से एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित कराया जाना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जायेगा। इसका उत्तरदायित्व निदेशक का होगा।
 - (7) समस्त प्राविधानों पर कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर सक्षम अधिकारी से अनुमोदन अवश्य प्राप्त कर लिया जाए।
 - (8) उक्त कार्य के प्रगति की निरन्तर समीक्षा करते हुए इन्हें समयबद्ध ढंग से निर्धारित समय सारिणी के अनुसार पूर्ण जाना सुनिश्चित किया जाय। विलम्ब के कारण आगणन के पुनरीक्षण पर विचार नहीं किया जायेगा।
 - (9) निर्माण सामग्री को उपयोग में लाने से पूर्व सामग्री का परीक्षण प्रयोगशाला से अवश्य करा लिया जाय तथा उपयुक्त सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाए। कार्य की प्रगति एवं गुणवत्ता के सम्बन्ध में थर्ड पार्टी चेंकिंग की व्यवस्था की जाय जिसके सापेक्ष होने वाला व्यय देय सेन्टेज चार्ज के सापेक्ष वहन किया जायेगा तथा गुणवत्ता का समस्त उत्तरदायित्व निर्माण एजेंसी का होगा।
 - (10) आगणन में प्राविधानित डिजाइन एवं मात्राओं हेतु सम्बन्धित कार्यदायी संस्था पूर्ण रूप से उत्तरदायी होगे। मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219(2006), दिनांक 30.05.06 का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
 - (11) स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाये।
 - (12) कार्य हेतु यदि किसी अन्य समरूप कार्य हेतु पूर्व में कराई गई डिजाइन/मानक पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु प्रयोग की जा सकती है या वर्तमान कार्य में एक भाग की डिजाइन/मानक पूर्ण रूप से अथवा आंशिक रूप से विषयगत कार्य हेतु मानकों के अनुसार प्रयोग की जा सकती है, तो मितव्ययता की दृष्टि को ध्यान में रखते हुये तदनुसार कार्यवाही की जाये।
2. इस संबंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में आय-व्ययक के 'अनुदान संख्या 30' के 'आयोजनागत/पूँजीगत' पक्ष के लेखाशीर्षक --"2230-श्रम तथा रोजगार, 03-प्रशिक्षण, 003-दस्तकारों तथा पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण, 0201 आच्छादित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों का सुदृढीकरण के अन्तर्गत मानक मद "24-वृहद निर्माण कार्य" के नामे डाला जायेगा।
3. यह आदेश शासनादेश संख्या 183/XXVII-I/2012 दिनांक 28.3.2012 द्वारा विहित व्यवस्था के क्रम में www.cts.uk.gov.in से सॉफ्टवेयर के माध्यम से उपरोक्त स्वीकृति/बजट आवंटन हेतु निर्गत विशिष्ट नम्बर/ अलॉटमेंट आई.डी. **S1607300014(P.)** के अन्तर्गत तथा वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-490/XXVII(1)/2016 दिनांक 31मार्च, 2016 में निहित दिशानिर्देशों के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।
4. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या --**37(P.)/XXVII(5)/2016**, दिनांक: 07 जुलाई, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

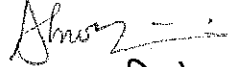
(ओम प्रकाश)
प्रमुख सचिव।

संख्या : 318 (1)/XLI-1/16-98/(प्रशि0)/2015 तददिनांकित।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ ए वं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड, माजरा, देहरादून।
2. महालेखाकार, ऑडिट, उत्तराखण्ड, इन्दिरा नगर, देहरादून।
3. जिलाधिकारी, हल्द्वानी(नैनीताल)।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, हल्द्वानी(नैनीताल)।
5. निदेशक कोषागार एवं वित्तीय सेवायें, उत्तराखण्ड देहरादून।
6. मुख्य वित्त अधिकारी, प्रशिक्षण एवं सेवायोजन, हल्द्वानी-नैनीताल।
7. प्रधानाचार्य, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चोरगलिया।
8. वित्त अनुभाग-5/नियोजन विभाग।
9. महा प्रबन्धक, उत्तराखण्ड उत्तरखण्ड अवस्थापना विकास निगम लि0 देहरादून।
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- ✓ 11. एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,


(अनूप कुमार मिश्रा)
अनु सचिव।